MR. SPEAKER. No question is allowed

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER Don't record

* * *

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष-महोदय, मंत्री महोदय जवाब दे रहे थे, आप ने उन्हें रोक दिया । उन्हें अपना जवाब पूरा करने दीजिए ।

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने जवाब दे दिया है । अब हम ने रूल 377 को ले लिया है ।

श्री डी० डी० गवई . (बुलडाना), अभी मंत्री महोदय का जवाब पूरा नहीं हुआ है ।

12.51 hrs

MATTERS UNDER RULE 377

(i) REPORTED IRREGULARITIES AT SHAHJEHANPUR ORDNANCE FACTORY

श्री सुरेन्द्र विक्रम (शाहजहांपुर) अध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन एक अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर इस सदन और सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं ।

वस्त्र आयुध निर्माणी शाहजहांपुर, में भयकर घुटाले, रक्षा उत्पादन में भयंकर अनियमितताओं और जुए आदि से विद्रोह की स्थिति उत्पन्न हो गई है । वस्त्र आयुध निर्माणी शाहजहांपुर में जुए का बहुत बड़ा अड्डा बन गया है तथा चोरियां एक आम बात हो गई हैं । इस आयुध निर्माणी में पूर्ण रूप से अराजकता का राज्य है और सुरक्षा समाप्त हो गई है । मूल्यवान वस्तुएं आये दिन गायब की जा रही हैं । और उन चोरियों को हजम करने हेतु फैक्ट्री में आग भी लगाई गई जिसमें कई लाख रुपये का नुकसान हुआ । इस फैक्टरी में हमारी सेना की आवश्यकता के कपड़े तथा बिल्ले आदि बनते हैं । इसके उत्पादन में भयकर गतिरोध पैदा हो गया है जिस का असर हमारी सुरक्षा पर पड़ सकता है यहां कुछ कर्मचारी जुआ खेलते हुए कभी भी देखे जा सकते हैं । इस आयुध निर्माणी के सम्बन्ध में जनता में भयानक रोष और असंतोष व्याप्त है । यदि तत्काल उच्च स्तर पर जांच कर के आवश्यक कार्यवाही न की गई, तो इसका असर हमारी सुरक्षा पर पड़ सकता है । इसलिए हम माननीय रक्षा मंत्री का तत्काल हस्तक्षेप तथा आवश्यक कार्यवाही की मांग करते हैं ।

(ii) NEED TO MODERNISE JAMALPUR RAILWAY WORKSHOP

श्री लखन लाल कपूर (पूर्णिया) अध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अन्तर्गत ईस्टर्न रेलवे के जमालपुर कारखाने की व्यवस्था की ओर सरकार और सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं ।

बिहार राज्यान्तर्गत सन 1862 में स्थापित जमालपुर का रेलवे कारखाना, दक्षिण-पूर्व एशिया में अपने ढंग का एक उच्च कोटि का सब से बड़ा वाष्पीय इंजन का कारखाना, अपनी कार्यकुशलता एवं कार्य-दक्षता के कारण सदा प्रसिद्ध रहा है लेकिन स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देश के अन्य हिस्सों में जहां औद्योगिक विकास की ओर ध्यान दिया गया। वहां ठीक इसके विपरीत जमालपुर का कारखाना रेलवे प्रशासनाधिकारियों की अकर्मण्यता स्वार्थपरता एवं सुनियोजित राजनैतिक षड्यन्त्र के कारण उपेक्षित रहा है ।

देश की बढ़ती हुई आबादी के कारण बेकारी की समस्या के निदान हेतु जमालपुर का कारखाना सरकारी प्रतिष्ठान के रूप में अविकसित एवं गरीब बिहार का एक साधन है । परन्तु दुख के साथ कहना पड़ता है कि स्वराज्य के बाद अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों को देखते हुए जहां इस कारखाने के मजदूरों की संख्या इस समय कम से कम 45 हजार होनी चाहिए थी वहां सम्प्रति कार्यरत मजदूरों की संख्या मात्र 9 हजार है । 1935-36 में जमालपुर कारखाने की मजदूर संख्या 22 हजार थी ।

इस के लिए नये ढंग के कार्यों को ला कर इस का विकास किया जाना चाहिए था । लेकिन इसके साथ सदा उपेक्षित की नीति बरती गई । परिणामस्वरूप यह कारखाना आज मरणासन्न अवस्था में पहुंच गया है । जो काम यहां सुगमता से किया जा सकता था, उसकी स्थापना यहां न हो कर राजनैतिक दबाव के कारण अन्य जगह होती चली गई । इसके कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं

(क) वाष्प इंजनों के लिए बायलर बनाने का काम तय हुआ लेकिन राजनैतिक दबाव के कारण चितरंजन में ले जाया गया ।

(ख) व्हील और एक्सल का निर्माण कार्य जमालपुर में करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन बाद में वहां न हो कर बंगलौर चला गया ।

(ग) आज देश को डब्बे और कोच की आवश्यकता है । जमालपुर में सब सुविधा उपलब्ध है । परन्तु कोच मरम्मती का काम वहां नहीं दे कर भुवनेश्वर में दिया जा रहा है । इतना ही नहीं, जो उपकरण आसानी से जमालपुर कारखाने

***Not recorded